विश्वविद्यालय एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 25 नवम्बर, 2005 को प्रदेश के कुमाऊं द्वार हल्द्वानी में की गयी थी। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखण्ड के दूर–दराज के क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। आज विश्वविद्यालय, वर्तमान कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के विवेकशीलता, उच्च विचार और दूरगामी सोच के परिणामस्वरूप और कुलसचिव प्रो0 आर0 सी0 मिश्र जी की बुद्धिमता और सहजता से दिन–प्रति दिन प्रगति की राह पर गतिमान है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में बीए, बीकाम एवं एम.ए., एम. काम. के सभी व्यवहारिक विषयों के साथ–साथ व्यवसायिक पाठ्यक्रम एमबीए, बीबीए, पर्यटन प्रबन्धन, होटल प्रबन्धन एमएस डब्ल्यू, एम एस–सी0 आई टी0, पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीजीडीजेएमसी, योग, आयुर्ववेद, संगीत, आपदा प्रबन्धन के अलावा अन्य प्रमाणपत्रीय कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं जिनका लाभ प्रदेश के लगभग 8,000 छात्र–छात्राएं उठा रहे हैं।

कुलपति संदेश
प्रो0 विनय कुमार पाठक

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ज्ञानवर्द्धक व रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराने को प्रयासरत है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि संचार क्रांति का लाभ दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र के लोगों को मिले। विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय द्वारा नए सत्र में कुछ नवीन पाठ्यक्रम आरंभ किए जा रहे हैं जो निश्चित ही लाभार्थियों को रोजगार दिलाने के साथ–साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होंगे। दूरस्थ शिक्षा उन विद्यार्थियों के लिए विशेष लाभप्रद है, जो नियमित कक्षाओं में उपस्थित होकर शिक्षा पाने में असमर्थ हैं। वर्तमान युग में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण प्रणाली पारम्परिक शिक्षण व्यवस्था का बहुआयामी और सशक्त विकल्प बन रही है।

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्न–गुप्तं धनम्
विद्या भोगकरी यशःसुखकरी विद्या गुरूणांगुरूः।

निदेशक संदेश
प्रो0 अजय रावत

शिक्षा के विषय में आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था किस प्रकार विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है, तथा उत्तराखण्ड राज्य में विद्यमान प्रतिभाओं की विविधता को कैसे पल्लवित कर सकती है। समाज विज्ञान विद्याशाखा विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रारुपों से संबंधित ब्रेन स्टार्मिंग सत्रों के आयोजन के उपरान्त अलाभप्रद एवं विशेषाधिकार रहित अभ्यार्थियों के उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए अपने को केन्द्रित किये हुए है। वर्तमान में समाज विज्ञान विद्याशाखा ज्ञान के उन्नयन तथा वृति कौशल के विकास के लिए एक प्रमुख आधारस्थल बन गया है। विद्याशाखा का मूल उद्देश्य लक्षित समूह की शैक्षिक आवश्यकताओं का पूर्ति के साथ ही नवाचार, लचीलापन तथा मूल्य प्रभावशीलता को दृष्टिगत करते हुए कौशल एवं ज्ञान सम्पन्न मानव ससाधन का निर्माण करता है, ताकि प्रदेश का तीव्र गति से विकास हो सके।

समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत विषय

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर

- राजनीति विज्ञान
- लोक प्रशासन
- इतिहास
- समाज शास्त्र
- अर्थशास्त्र

व्यावसायिक विषय

- स्नातकोत्तर– समाज कार्य (MSW)

प्रमाण पत्र कोर्स

- पंचायती राज (3 माह व 6 माह)

कार्यक्रमः **बी0ए0**

कार्यक्रम का उद्देश्य

स्नातक उपाधि कार्यक्रम में चयनित विषयों से अर्जित ज्ञान द्वारा कर्म–कौशल का विस्तार करना तथा बेहतर ज्ञान और कर्म कौशल के आधार पर सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक घटनाओं के विश्लेषण के योग्य बनाना। साथ ही बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगारपरक स्थितियों का उन्नयन करना।

प्रवेश योग्यताः बी.ए. पाठ्यक्रम में दो श्रेणियों के विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

(अ) अनौपचारिकः किसी भी मान्यता प्राप्त मुक्त विश्वविद्यालय से बीएपीपी/बीसीपी/बीपीपी कार्यक्रम उत्तीर्ण

(ब) औपचारिक– किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।

कार्यक्रम की अवधिः न्यूनतम 3 वर्ष व अधिकतम 8वर्ष।

माध्यम– हिन्दी।

द्वितीय व तृतीय वर्ष में 36–36 श्रेयांक के पाठ्यक्रम दिए जाएंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र 6 श्रेयांक/100 अंक का होगा।

शुल्क– 2000रु0 प्रतिवर्ष तथा परीक्षा शुल्क 150 रु0 प्रति पेपर अतिरिक्त देय होगा।

सत्रीय कार्यः प्रत्येक प्रश्न पत्र में 100 अंकों में से 40 अंकों का सत्रीय कार्य दिया जायेगा। 60 अंकों की मुख्य परीक्षा होगी।

परीक्षा पद्धति– परीक्षा सेमेस्टर प्रणाली(प्रत्येक 6 माह में) में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक विषय का एक–एक प्रश्न पत्र होगा। तथा आधार पाठ्यक्रम का एक प्रश्न पत्र होगा।

बैचलर ऑफ आर्ट प्रीपेट्री प्रोग्राम (बीएपीपी)

उद्देश्य– बीच में अध्ययन छोड़ चुके विद्यार्थियों को अनौपचारिक व्यवस्था के माध्यम से शिक्षा का द्वितीय अवसर प्रदान करना। 10 वीं/12वीं कक्षा में अनुत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को फिर से उच्च शिक्षा से जोड़ना।

प्रवेश योग्यता– वे अभ्यार्थी जों 10+2 के स्तर से कम शिक्षा प्राप्त हैं तथा जिनकी आयु न्यूनतम 18 वर्ष है। जिन विद्यार्थियों के पास किसी प्रकार का औपचारिक शिक्षा प्रमाण पत्र नहीं है, उन्हें 18 वर्ष की आयु के प्रमाण–पत्र के लिए रु0 10 के नान–ज्यूडिशियल स्टाम्प पत्र पर पब्लिक नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ संलग्न करना होगा अथवा 8 वीं व 10 वीं की अंक तालिका/प्रमाण पत्र की छाया प्रति या जन्म प्रमाण पत्र की प्रमाणित छाया प्रति अथवा राजकीय विद्यालयों का स्थानांतरण प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

अवधि– न्यूनतम 6 माह, अधिकतम 2 वर्ष

माध्यम– हिन्दी

श्रेयांक/अंक– यह कार्यक्रम 16 श्रेयांक/200 अंको का है।

शुल्क– कार्यक्रम शुल्क 700 रु0। परीक्षा शुल्क प्रति पेपर 150 रु0 अतिरिक्त देय होगा।

परीक्षा पद्धति– परीक्षा प्रत्येक 6 माह में होगी। इस कार्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा। प्रथम प्रश्न पत्र– सामाजिक विज्ञान एक परिचय, द्वितीय प्रश्न पत्र– प्रारम्भिक गणित।

नोट– यह कार्यक्रम किसी भी प्रकार से 10+2 के समतुल्य नहीं है।

आधार पाठ्यक्रम

उद्देश्य– आधार पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थी के परम्परागत विषय ज्ञान के अतिरिक्त उसके व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ाना जो रोजगार की दिशा में सहायक होगा।

माध्यम– हिन्दी

बी.ए. प्रथम वर्ष में निम्न दो आधार पाठ्यक्रम होंगे।

प्रथम सेमेस्टर– फंक्शनल इंग्लिश एवं डिजिटल लिट्रेसी।

द्वितीय सेमेस्टर–हिमालयन हैरीटेज।

बी.ए. द्वितीय वर्ष में निम्न दो आधार पाठ्यक्रम होंगे।

तृतीय सेमेस्टर– ह्यूमन वैल्यूज एण्ड एथिक्स

चतुर्थ सेमेस्टर– इनवायरमेंटल स्टडीज

कार्यक्रमः **एम0ए0**

उद्देश्यः अखिल भारतीय और उत्तराखण्ड प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं से ज्ञानपूर्ण परिचय और उस आधार पर प्रासंगिक सार्वजनिक नीतियों/कार्यक्रमों के निरूपण व मूल्यांकन की सामर्थ्यता का विस्तार।

प्रवेश योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)उपाधि।

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष अधिकतम 6 वर्ष।

माध्यम : हिन्दी।

श्रेयांक/अंक : यह कार्यक्रम कुल 72 श्रेयांक का है। एम. ए. प्रथम वर्ष में 32 श्रेयांक के पाठ्यक्रम दिये जाएंगे एवं एम. ए. द्वितीय वर्ष में 40 श्रेयांक के पाठ्यक्रम दिये जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र 8 श्रेयांक/100 अंक का होगा।

शुल्क : एम.ए.प्रथम वर्ष कुल रू0 2400/ एम0ए0 द्वितीय वर्ष कुल रू0 2400/ परीक्षा शुल्क प्रति पेपर रु0 150/ अतिरिक्त देय।

कार्यक्रम संरचना: एम.ए. प्रथम वर्ष में कुल चार पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) होंगे और द्वितीय वर्ष में कुल पाँच पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

सत्रीय कार्य: प्रत्येक प्रश्न पत्र में 100 अंकों में से 40 अंकों का सत्रीय कार्य दिया जायेगा। 60 अंकों की मुख्य परीक्षा होगी।

व्यवसायिक कोर्स

समाज कार्य में स्नातकोत्तर (MSW)

उद्देश्य: अखिल भारतीय और उत्तराखण्ड प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास। विविध गैर–सरकारी संगठनों (N.G.Os)/अस्पतालों में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं के लिए उपयोगी तथा विश्व बैंक सहित विविध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनो के लिये परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण कराना।

प्रवेश योग्यता: किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष व अधिकतम 5 वर्ष

माध्यम : हिन्दी

शुल्क : एम.एस डब्लू. प्रथम वर्ष रू0 9000/ द्वितीय वर्ष रू0 9000/परीक्षा शुल्क प्रति पेपर रु0 150/अतिरिक्त देय होगा।

प्रोजेक्ट कार्य के लिए 500/ रू0 अतिरिक्त देय होगा।

परीक्षा पद्धति– परीक्षा सेमेस्टर प्रणाली(प्रत्येक 6 माह में) में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र होंगे। अंतिम सेमेस्टर पूर्ण रुप से प्रोजेक्ट पर आधारित होगा।

प्रमाण–पत्र कोर्स

प्रमाण–पत्र कोर्स पंचायती राज

पंचायती राज में प्रमाण–पत्र कोर्स (3 माह व 6 माह)

उद्देश्य: भारतीय प्रशासनिक और उत्तराखण्ड प्रशासनिक सेवाओं में चयन की दृष्टि से परिक्षार्थियों के लिए उपयोगी अध्ययन सामग्री। पंचायती–राज संस्थांओं के जन–प्रतिनिधियों को उनके कार्यों एंव शक्तियों के विषय में जागरुक करना।

पंचायती राज में प्रमाण–पत्र कोर्स (3 माह)

कोर्स की समयावधि : 3 माह, अधिकतम 2 वर्ष।

माध्यम : हिन्दी।

योग्यता : साक्षर एवं बी0ए0पी0पी0।

कोर्स शुल्क : रु0 1500/

परीक्षा शुल्क : रु0 300/

श्रेयांक : 6

पंचायती–राज में सार्टिफिकेट कोर्स (6 माह)

कोर्स की समयावधि : 6 माह, अधिकतम 2 वर्ष

माध्यम : हिन्दी

योग्यता : न्यूनतम 10वीं पास एवं बी0पी0ए0

कोर्स शुल्क : रु0 2500/

परीक्षा शुल्क : रु0 500/

श्रेयांक : 12

परीक्षा पद्धति : कोर्स की परीक्षा दिसम्बर व जून माह में होंगी। छः माह के इस कोर्स में दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंको का होगा। प्रथम प्रश्न–पत्र ''पंचायती राज एक परिचय'' जिसमें इकाई 1 से 15 तक सम्मिलित है, द्वितीय प्रश्न–पत्र ''पंचायती राज की कार्य–प्रणाली'' जिसमें इकाई 16 से 30 सम्मिलित है। तीन माह के इस कोर्स में एक प्रश्न–पत्र होगा जो 100 अंको का होगा।

100 अंको के इन प्रश्न पत्र में 40 अंकों का सत्रीय कार्य दिया जायेगा।

समाज विज्ञान विद्याशाखा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
ऊंचापुल, हल्द्वानी नैनीताल
फोन न0 05946–261122

http://uou.ac.in

info@uou.ac.in